इनस्क्रिप्ट कुँजीपटल

इलैक्ट्रॉनिक्स विभाग, भारत सरकार के अनुदान पर भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर द्वारा वर्ष 1983 में जिस्ट तकनीक पर कार्य प्रारंभ किया गया था। इलैक्ट्रॉनिक्स विभाग ने इस तकनीक का व्यावसायीकरण करते हुए वर्ष 1986 में इनस्क्रिप्ट कुँजीपटल का प्रकाशन किया। वर्ष 1991 में भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा **इस्की (ISCII–Indian Script Code for Information Interchange)** कोडिंग प्रणाली के अंतर्गत इनस्क्रिप्ट कुँजीपटल का मानकीकरण किया गया। इस प्रकार संपूर्ण भारतवर्ष में इलैक्ट्रॉनिक तथा संचार माध्यमों में इनस्क्रिप्ट कुँजीपटल का प्रयोग अनिवार्य रूप से किया जाने लगा। इस तकनीक ने यह सिद्ध कर दिया है कि भारतीय लिपियों की समान ध्वन्यात्मक विशेषता पर आधारित इस कुँजीपटल के माध्यम से किसी भी भारतीय भाषा में पूर्ण दक्षता एवं अपेक्षाकृत अधिक गति के साथ टंकण कार्य किया जा सकता है।

अधिकतर भारतीय भाषाओं को लिखने के लिए सैकड़ों आकृतियों की आवश्यकता होती है, जिन्हें एक-दूसरे के ऊपर-नीचे लिखा जाता है। कई मात्राएँ अक्षरों के ऊपर, नीचे, दाईं तथा बाईं ओर लगाई जाती हैं। हाथ से लिखते समय इन मात्राओं को अपेक्षित दिशा में आसानी से लगाया जा सकता है। क्या कुँजीपटल पर भी यह कार्य इतनी ही सरलता से किया जा सकता है?

अंग्रेजी भाषा में कुल 26 अक्षर होते हैं, जिनके लिए कुँजीपटल पर मात्र 26 कुँजियों की आवश्यकता होती है। इन कुँजियों पर **Lower Case** में अंग्रेजी के छोटे अक्षर **(Small Letters)** और **Upper Case** में अंग्रेजी के बड़े अक्षर **(Capital Letters)** लिखे होते हैं। कंप्यूटर पर अंग्रेजी भाषा के एनकोडिंग के लिए इन 26 कुँजियों के अतिरिक्त कुछ अन्य कुँजियों की आवश्यकता होती है, जिनपर व्याकरणिक चिह्न, अंक, विशेष चिह्न आदि लिखे होते हैं। अंग्रेजी के इन सभी अक्षरों के लिए कुँजीपटल पर 47 कुँजियों की व्यवस्था है। क्या इन्हीं 47 कुँजियों पर भारतीय भाषाओं के सभी अक्षर, व्याकरणिक चिह्न, अंक आदि समायोजित हो सकते हैं?

यदि प्रत्येक भारतीय भाषा के लिए अलग-अलग कुँजीपटल बनाए जाते तो एक व्यक्ति को उन सभी भाषाओं (जो वह जानता है) में कार्य करने के लिए अलग-अलग कुँजीपटल सीखने होंगे। क्या ऐसी व्यवस्था विभिन्न भारतीय भाषाओं के विकास और विस्तार में गतिरोधक का कार्य नहीं करेंगी ?

उपर्युक्त सभी प्रश्नों का उत्तर इनस्क्रिप्ट कुँजीपटल है। यह कुँजीपटल सभी भारतीय भाषाओं की लिपियों को एक समान, एक ही विधि से टाइप करने की अनूठी सुविधा उपलब्ध कराता है। तात्पर्य यह है कि एक भारतीय भाषा में टाइप जानने वाला व्यक्ति दूसरी भारतीय भाषा में आसानी से टाइप कर सकता है। किसी भी भारतीय लिपि में आधारभूत अक्षर, व्याकरणिक चिह्न एवं अंकों की कुल संख्या लगभग 70 अथवा उससे कम होते हैं, इसी आधार पर इनस्क्रिप्ट कुँजीपटल ने यह चमत्कार कर दिखाया है। इनस्क्रिप्ट कुँजीपटल किसी भी भारतीय भाषा के सभी अक्षर संयोजनों को सृजित करने की सुविधा प्रदान करता है।

आधारभूत अक्षरों का अनुक्रम लिखे गए शब्द की आकृति का निर्धारण करने के लिए पर्याप्त है। आकृति का निर्धारण शब्दों की शुद्धता को दर्शाता है। जिस प्रकार एक मनुष्य शब्दों की शुद्धता को दर्शाता है, उसी प्रकार कंप्यूटर सॉफ्टवेयर भी इस कार्य को कर सकता है, क्योंकि विभिन्नताओं को दर्शाने के लिए लिपि के आवश्यक सैकड़ों आकृतियों (ग्लिफ) को कंप्यूटर अपने स्मृतिकोश में रख सकता है। कंप्यूटर इन आकृतियों को कागज़ पर अथवा मॉनिटर पर अत्यंत सुरुचिपूर्ण ढंग से व्यवस्थित करने के लिए जटिल तर्कों का प्रयोग करने में सक्षम होता है।

जब कोई व्यक्ति निर्धारित वर्तनी के अनुसार किसी शब्द को टाइप करता है तब उसे शब्द बनाने के लिए अक्षरों को व्यवस्थित करना होता है। इस प्रक्रिया में उसे सोचना नहीं पड़ता है। यही कारण है कि स्पर्श टंकण पद्धति से टंकण कार्य करने वाले व्यक्ति को अक्षरों को व्यवस्थित करने के लिए मॉनिटर की ओर देखने की आवश्यकता नहीं पड़ती है। अब यह संभव हो गया है कि व्यक्ति के मस्तिष्क में कुछ विचार चल रहे हों और वह उसी प्रकार निर्बाध तरीके से अपनी अंगुलियों को कुँजीपटल पर चलाता रहे, जिस प्रकार रोमन लिपि के लिए अंग्रेजी कुँजीपटल पर चलाता है। इनस्क्रिप्ट कुँजीपटल पर किसी भी भारतीय भाषा में टंकण कार्य करना अत्यंत ही सरल है। इस कुँजीपटल को बनाने में भारतीय लिपियों के वर्णाक्षरों की वैज्ञानिक एवं ध्वन्यात्मक प्रकृति का प्रयोग किया गया है, इसलिए अंग्रेजी कुँजीपटल की तुलना में इसे सीखना भी अधिक सहज है।

इनस्क्रिप्ट कुँजीपटल की व्यावहारिक विशेषताएँ

इनस्क्रिप्ट कुँजीपटल के उपर्युक्त चित्र को देखने से इसकी अनेक विशेषताओं का पता चलता है। यह कुँजीपटल प्रयोक्ता को व्याकरणसम्मत त्रुटियों से बचाता है, जैसे– एक व्यंजन पर दो मात्राएँ नहीं लगाई जा सकतीं। यदि किसी व्यंजन पर पहले से ही एक मात्रा लगी है तो यह उस पर दूसरी मात्रा लगाने की अनुमति नहीं देता है। यदि दूसरी मात्रा लगाने का प्रयास किया जाए तो यह इस प्रकार दिखाई देगा :

हिं ू दी

इनस्क्रिप्ट कुँजीपटल पर आधे वर्णों को अलग से नहीं रखा गया है। अत: जब भी किसी शब्द में आधे वर्ण आएँ तो पूरे वर्ण के बाद हल् चिह्न (्) और तुरंत बाद अगला वर्ण टाइप करने से 'आधा वर्ण' बन जाता है। जैसे 'खत्म' शब्द टाइप करना हो तो पहले 'ख' फिर 'त' फिर हल् चिह्न और अंत में 'म' टाइप करने पर 'खत्म' शब्द टाइप हो जाएगा :

ख त ् म = खत्म

कुछ बहुतायत में प्रयोग होने वाले संयुक्ताक्षर इनस्क्रिप्ट कुँजीपटल पर दिए गए हैं, किंतु शेष संयुक्ताक्षरों को बनाना पड़ता है। कुँजीपटल पर विद्यमान संयुक्ताक्षर निम्नलिखित हैं :

क्ष त्र ज्ञ श्र

शेष संयुक्ताक्षरों को निम्नलिखित विधि द्वारा बनाया जाएगा :

द्व	=	द+्+व	द्ध	=	द+्+ध
द्द	=	द+्+द	द्य	=	द+्+य

इस कुँजीपटल पर 'इ' की मात्रा ि का प्रयोग तर्कसंगत रूप में किया जाता है। लिखे हुए शब्द को देखने पर यह मात्रा अक्षर से पहले लगी हुई नज़र आती है, किंतु बोलने पर इसका उच्चारण अक्षर के बाद होता है। इस कुँजीपटल पर 'इ' की मात्रा को उच्चारण के आधार पर लगाया जाता है अर्थात पहले अक्षर टाइप करेंगे और उसके बाद ि मात्रा को टाइप किया जाएगा, जो अपने-आप अक्षर से पहले जुड़ जाती है। इसी प्रकार संयुक्ताक्षरों में लगने वाली ि मात्रा भी संयुक्ताक्षर टाइप करने के बाद ही लगाई जाती है :

किन = क+ि+न

स्थिर = स+्+थ+ि+र

वर्णों को कुँजियों पर वर्णमाला के क्रम में ही रखने का प्रयास किया गया है। 'क' और 'ख' वर्ण एक ही कुँजी पर हैं और इसी कुँजी के ऊपर वाली पंक्ति की कुँजी पर इनके अगले वर्ण 'ग' तथा 'घ' विद्यमान हैं। इसी तरह अन्य वर्णों को भी व्यवस्थित किया गया है ताकि उन्हें खोजने में अधिक उलझन न हो।

सभी स्वर और उनकी मात्राएँ भी इनस्क्रिप्ट कुँजीपटल पर उनके पूरे रूप में दी गई हैं। इन्हें एक ही स्ट्रोक से बनाया जा सकता है और टाइपराइटर कुँजीपटल की भाँति किसी मात्रा को बनाने के लिए अनेक कुँजियों को दबाने की आवश्यकता नहीं होती है। नीचे सभी स्वरों और उनके मात्रा चिह्नों को दिया गया है, जो इसी रूप में इनस्क्रिप्ट कुँजीपटल पर मौजूद हैं :

औ	**ओ**	**ऐ**	**ए**	**आ**	**ऊ**	**उ**	**ई**	**इ**	**ऋ**
ौ	ो	ै	े	ा	ू	ु	ी	ि	

'र' अक्षर पर 'उ' अथवा 'ऊ' की मात्रा भी बिलकुल सरल ढंग से लगाई जा सकती है। 'र' अक्षर टाइप करें, आवश्यकतानुसार 'उ' अथवा 'ऊ' की मात्रा टाइप करें। आप देखेंगे कि निम्नलिखित तरीके से मात्रा अपने निर्धारित स्थान पर लग जाएगी :

रुपया = र+ु+प+य+ा

रूप = र+ू+प

रकार (नीचे लगने वाला र, जैसे 'प्रकार' में) तथा रेफ (ऊपर लगने वाला र, जैसे 'कर्म' में) से युक्त शब्दों को बनाने के लिए इनस्क्रिप्ट कुँजीपटल दो विकल्प उपलब्ध कराता है। पहले विकल्प के अंतर्गत आप निम्नलिखित तरीके से हल् चिह्न वाली कुँजी का प्रयोग कर सकते हैं :

प्रकार = प+्र+क+ा+र

कर्म = क+र+्+म

दूसरे विकल्प के अंतर्गत कुँजीपटल की सबसे ऊपर की पंक्ति में दो कुँजियाँ उपलब्ध हैं, जो क्रमश: 3 तथा 4 की संख्याओं वाली कुँजियों पर हैं। पहली कुँजी पर '्र' बना है जो रकार के लिए प्रयोग किया जाता है, जबकि दूसरी कुँजी पर 'र्' बना है, जो रेफ के लिए प्रयोग होगा। इन कुँजियों की सहायता से निम्नलिखित तरीके से रकार और रेफ से युक्त शब्दों को टाइप किया जा सकता है :

प्रकार = प+्र+क+ा+र

कर्म = क+र्+म

इनस्क्रिप्ट कुँजीपटल हमें कुछ अतिरिक्त वर्ण और चिह्न भी उपलब्ध कराता है, जो अन्य कुँजीपटलों पर प्राय: उपलब्ध नहीं होते हैं, जैसे - **ऍ ङ ञ ऑ फ ँ ( ) ः ।**

अभ्यास-1

इनस्क्रिप्ट कुँजीपटल : होम कीज
(नीचे से दूसरी पंक्ति)

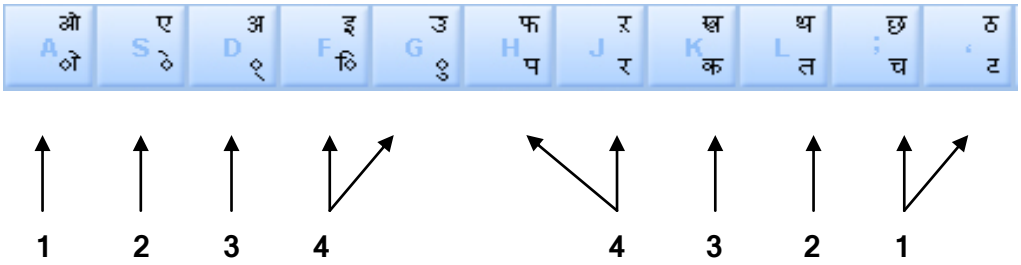

बायाँ हाथ **दायाँ हाथ**

1. चतकरप टचतकर चतकरप टचतकर चतकरप टचतकर

2. तट टच कर पक पर चर कत तक तर

3. कटकर तटकर चटपट तपकर चटकर पटपट

4. टेक टेप चेत चोट कोट चित टिप पिट टिकट चिपट चुप टुक टुकर टिपटिप

निर्देश : व्यंजनों को आधा बनाने के लिए बाएँ हाथ की तीसरी कुँजी पर स्थित हल् चिह्न का प्रयोग करें। पहले व्यंजन टाइप करें फिर हल् चिह्न और उसके बाद अगला व्यंजन टाइप करने पर हल् चिह्न से पहले का व्यंजन आधा हो जाएगा।

5. कच्चे पक्के पट्टे कट्टे तप्त रक्त करप्ट

अभ्यास-2

इनस्क्रिप्ट कुँजीपटल
(नीचे से दूसरी तथा तीसरी पंक्ति)

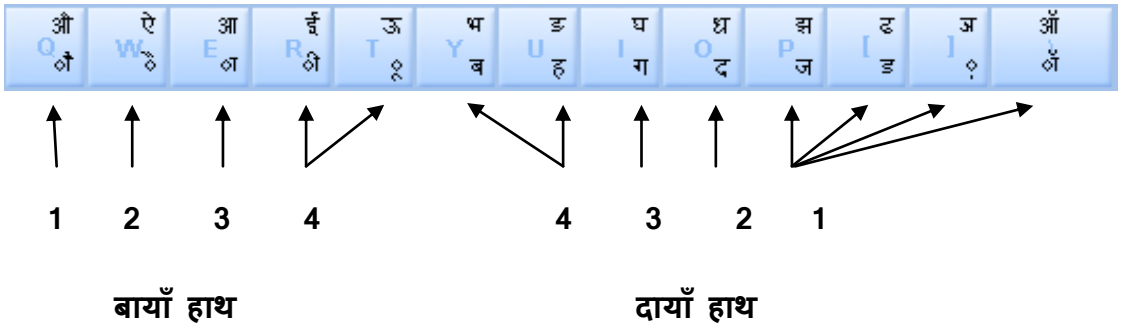

1. चजच चडच तदत कगक रहर रबर पहर कदर जहर कहर

2. जौहर गौहर दौड़ कौर गौड़ पैर बैर बैज कैच डकैत

3. राह चाह टाप पाट गाद रात दाग चार चाक पाक रूप कूप जरूर गरूर जूट पूत कपूत

4. जीत कीट दीप पीट पीर कीप हीक गीत

5. पापी गीता पपीता पिता गिरी जौहरी डैडी जीजा बीहड़ टिहरी गुज़ारा पेड़ पेड़ा बड़ा

6. दिक्कत गद्दी रद्दी टट्टू कुत्ता पुत्तर

7. काका को दो जीप की जरूरत है

8. पपीते के पेड़ को बड़ा करो

9. बर्बरता की चोट को प्रकट करो

10. बरगद के पेड़ पर जा चाचा की जीत होगी

अभ्यास-3

इनस्क्रिप्ट कुँजीपटल
(नीचे से दूसरी तथा पहली पंक्ति)

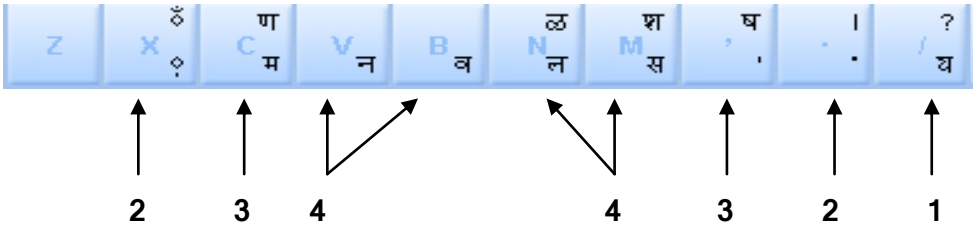

बायाँ हाथ **दायाँ हाथ**

1. चयच रसर रलर नल वन मन पवन पलक तरल सरल

2. कवि विनती सवाल सरिता सवार वारिस सनम दीवार

3. मोरनी पलीत चस्का टमटम चम्मच सलाम नीला नीर

4. मोल नाम यदि सोनार लड़का सहोदर तिकोना सोना

5. सवेरा यजमान ताकत लालसा लावारिस विराजना चमत्कार

6. मुलाकात तौलना याराना हुजूर पल्ला पन्ना सट्टा पैसा

निर्देश : अनुस्वार (बिंदु) लगाने के लिए बाएँ हाथ की पहली कुँजी, कॉमा लगाने के लिए दाएँ हाथ की तीसरी कुँजी और दशमलव चिह्न लगाने अथवा शब्दों के संक्षिप्तीकरण के लिए दाएँ हाथ की दूसरी कुँजी का प्रयोग करते हुए निम्नलिखित शब्दों का अभ्यास करें :

7. कंस मांस सांस रांची हंसी बांस चंदा नंदन

8. बंदर कलंदर जंगल तंगी कौंपल रेंकना मंगेल

9. जादूगर, सुकरात, मामला, दिक्कत, कच्चा, किंतु,

10. टक्कर गौरव राजाराम कंगन दिल्ली

निर्देश : 'द्व' बनाने के लिए आगे दर्शाए क्रम में टाइप करें : द + ◌्+व

11. विद्वान द्वारा द्वितीय द्वीप द्विज

निर्देश : 'द्य' बनाने के लिए आगे दर्शाए क्रम में टाइप करें : द+ ◌्+य

12. विद्या द्योतक यद्यपि गद्य पद्य विद्यालय

निर्देश : कुछ और शब्दों का अभ्यास करें :

13. जूता लीला तमस पारस चीनी पान तराजू सचमुच

14. मरम्मत सुंदर व्यायाम च्यवन ज्वार पूज्य प्याज महत्ता डाकिया ग्लानि

15. हिंदी गद्दी गद्यम कौमुदी नज़राना रुपया महरूम बवंडर रुस्तम सोना

अभ्यास-4

इनस्क्रिप्ट कुँजीपटल
(नीचे से पहली, दूसरी तथा तीसरी पंक्ति)

निर्देश : आपने पिछले अभ्यासों में उपर्युक्त तीनों पंक्तियों पर विद्यमान कुँजियों के व्यंजनों, मात्राओं और व्याकरण चिह्नों से बनने वाले कुछ शब्दों का अभ्यास किया। अब इन्हीं कुँजियों का प्रयोग करते हुए नीचे दिए गए अनुच्छेद का अभ्यास करें ताकि इन पंक्तियों के सभी व्यंजन, मात्राएँ और चिह्न अच्छी तरह याद हो जाएँ।

नंदन वन

किसी नदी के किनारे काल्पनिक नंदन वन की बात सदियों से की जाती रही है, कहानीकारों व विद्वानों द्वारा नंदन वन के बारे में बहुत कहा गया है, हम नंदन वन की कहानी को बच्चों के बीच बहुत लोकप्रिय पाते हैं, कहा जाता है कि वन के नज़दीक बहुत बड़ा बाग है, जिसमें नीम के बहुत सारे पेड़ हैं, पेड़ों की डालियां बहुत मोटी व बड़ी हो चुकी हैं, बच्चे रोज़ सवेरे वहां जा कर पेड़ों को पानी देते हैं, दूसरे बच्चों से मुलाकात करते हैं,

यह कहानी बाल पुस्तकों में बहुत प्रचलित है, वर्तमान में यह वन बच्चों में ज्यादा चर्चित नहीं है, परंतु पुराने ज़माने के बच्चों जोकि बड़े हो चुके हैं, में नंदन वन बहुत प्रिय है, जो बच्चे बड़े हो चुके हैं, वे वर्तमान के बच्चों को नंदन वन के बारे में बतायें, वनों की हरियाली, प्राचीन प्रतीकों की जीवंतता समाज की प्रगति का सूचक है, हर माता-पिता का कर्तव्य है कि वे प्राचीन गौरवमयी प्रतीकों के बारे में बच्चों को बतायें, प्राचीन प्रतीक हमारे पूर्वजों की पहचान हैं, पुरानी बातें बच्चों के मानसिक विकास में मदद करती हैं,

अभ्यास-5

इनस्क्रिप्ट कुँजीपटल
(नीचे से चौथी पंक्ति)

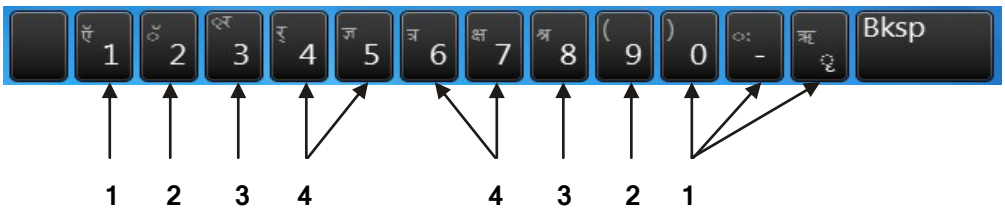

बायाँ हाथ **दायाँ हाथ**

निर्देश : इस पंक्ति पर संख्याएँ दी हुई हैं, जिनका अभ्यास गति बनाते समय साथ-साथ ही हो जाता है, किंतु अंतिम दो कुँजियों पर क्रमश: डैश/योजक चिह्न तथा ऋ की मात्रा की कुँजियाँ दी गई हैं। इनका अभ्यास अवश्य किया जाना चाहिए। इन दोनों कुँजियों को दाएँ हाथ की पहली अंगुली से टाइप किया जाएगा।

1. दादा-पोता सास-बहू नाना-नानी राहू-केतु
2. कृपा मृग नृप कृपया बृज कृत सृजन
3. डॉक्टर कॉस्ट लॉस्ट हॉस्टेज हॉकी कॉलेज नॉलेज
4. बच्चों की लीला निराली होती है
5. गरीब लोग सोने-चांदी की चमक से महरूम हैं
6. नाव यायावर की पहचान है
7. रुस्तम को यायावर माना गया है
8. यह जहाज सेना की ताकत का विस्तार करेगा
9. डॉक्टर की कृपा से दादा-दादी, नाना-नानी तेज़ ज्वर से बच पाये
10. पीड़ित को बवंडर से बचाने हेतु पैसे की महत्ता वैसी ही है, जैसे प्यासे को प्यास से निज़ात दिलाने हेतु मटके के पानी की

अभ्यास-6

इनस्क्रिप्ट कुँजीपटल
(होम कीज़ पर शिफ्ट का प्रयोग)

निर्देश : अभ्यास करते समय अंगुलियों की स्थिति वही रहेगी, जो पूर्व अभ्यासों में रही है। व्यंजनों को टाइप करते समय आपको कुँजीपटल की शिफ्ट कुँजी को दबाना होगा। दाएँ हाथ की अंगुलियों के व्यंजन टाइप करते समय बाएँ हाथ की शिफ्ट कुँजी तथा बाएँ हाथ की अंगुलियों के व्यंजन टाइप करते समय दाएँ हाथ की शिफ्ट कुँजी को दबाएँ ताकि निर्बाध गति से व्यंजनों को टाइप किया जा सके।

1. ओम ओमान ओज ओखली ओजस्वी एक एम एल अहसान अहसास

2. असम अजगर अकबर अचकन अनाम इक इकबार इतवार इकलौता इकबाल इल्म इलाका

3. उल्का उल्टा उच्च उलेमा उल्लू उन्माद फल फायदा फासला फालतू फसल फैसला

4. खाल खील खाकी अखरोट अखबार खिलाफ थाल थान थैला थकान कथा हाथ

5. छाप छाल छैला अच्छा छप्पन छलनी

6. ठेला ठेठ ठोकर उठना कठिन ठगना

7. ओखली का संबंध माखनचोर, नटखट, गोपाल से है

8. नंद के ओजस्वी लाल का सिर्फ अहसास ही मन को सुख प्रदान करता है

9. बलराम उन्हें प्यार से कान्हा कहकर पुकारते थे

10. गोपियां उनकी मां को उनके खिलाफ कठिन फैसले लेने पर मजबूर करती थीं

अभ्यास-7

इनस्क्रिप्ट कुँजीपटल
(नीचे से दूसरी तथा तीसरी पंक्ति की कीज़ पर शिफ्ट का प्रयोग)

निर्देश : अभ्यास करते समय अंगुलियों की स्थिति पूर्ववत् रहेगी। व्यंजनों को टाइप करते समय आपको कुँजी पटल की शिफ्ट कुँजी को दबाना होगा।

1. और औरत औसत औचक औजार औपचारिक
2. ऐसा ऐनक ऐतबार आह आस आलू आम आकाश आटा आदत
3. ईख कई कोई कताई लड़ाई पाई चारपाई
4. ऊखल ऊपर ऊंट ऊन जनेऊ खड़ाऊं
5. भगवान भयानक भाग्य भालू अभ्यास भूल
6. घर घटा घंटी घेराव धाक धागा धमाका उधार धोनी
7. झंडा झाल झांसा झंकार ढक्कन ढोल पढ़ चढ़ाई
8. ठेला घटना ईशान ऊसर अभ्युदय कथ्य भावना

निर्देश : 'द्ध' बनाने के लिए आगे दर्शाए क्रम में टाइप करें : द+्+ध

9. सिद्ध अवरुद्ध बुद्ध युद्ध शुद्ध विरुद्ध क्रुद्ध प्रबुद्ध प्रसिद्ध

10. बापू जी का आह्वान अंग्रेजी हुकूमत की चूलें हिलाने के लिए काफी होता था, गांधी जी का मानना था कि कोई भी लड़ाई चारपाई पर बैठकर नहीं लड़ी जा सकती, खड़ाऊं पहनकर डांडी यात्रा करना कोई आसान कार्य नहीं है, परंतु किसी न किसी को तो आगे बढ़ना ही होगा, अभ्युदय के लिए झंडा लेकर ढोल पीटना काफी नहीं होगा, उन्होंने सत्य और अहिंसा के पथ पर चलकर आज़ादी हासिल करने की ठानी और विजयी हुए, वे अपने जीवन की सारी लड़ाइयां इसी मंत्र के सहारे जीतते रहे, उनका सत्य और अहिंसा का पाठ आज भी उतना ही प्रासंगिक है

अभ्यास-8

इनस्क्रिप्ट कुँजीपटल
(पहली, दूसरी तथा तीसरी पंक्ति पर शिफ्ट का प्रयोग)

निर्देश : अभ्यास करते समय अंगुलियों की स्थिति वही रहेगी, जो पूर्व अभ्यासों में रही है। व्यंजनों को टाइप करते समय कुँजीपटल की शिफ्ट कुँजी को दबाना होगा

1. माँ चाँद माँद शक यश शशि हशीश राशि शहर विष विषय मनुष्य भाषा शिष्य भविष्य षटकोण

2. रणभेरी बजी।

3. अर्जुन रथ पर सवार होकर युद्धभूमि में पहुँचे।

4. अपने निकट संबंधियों को सामने खड़ा पाया।

5. उन्होंने अपना हथियार डाल दिया और युद्ध में भाग लेने से मना कर दिया।

6. कृष्ण ने समझाया – हे अर्जुन, यह शरीर नश्वर है और आत्मा शाश्वत।

7. भविष्य की चिंता मत करो, वर्तमान के बारे में सोचो।

8. मनुष्य अपने भाग्य का निर्माता खुद है।

9. वर्तमान ही भविष्य का नींव है, इस सांसारिक मोह को त्याग दो।

10. अन्य योद्धा यह समझ नहीं पा रहे थे कि दोनों के बीच क्या द्वंद्व चल रहा है।

अभ्यास-9

इनस्क्रिप्ट कुँजीपटल
(नीचे से चौथी पंक्ति पर शिफ्ट का प्रयोग)

निर्देश : लोअर केस में इस पंक्ति में 0 से 9 तक संख्याएँ और कभी-कभी प्रयोग में आने वाले कुछ व्याकरण चिह्न और मात्राएँ हैं, किंतु शिफ्ट दबाने पर इस पंक्ति में अनेक संयुक्ताक्षर और व्याकरणिक चिह्न मिलते हैं, जिनका हिंदी शब्द संसाधन में बहुत महत्व है। इनका ठीक से अभ्यास करके हम शब्द संसाधन के दौरान अपना समय और श्रम बचा सकते हैं।

क्र, प्र, ग्र आदि संयुक्ताक्षर जैसे प्रजा टाइप करने के लिए आगे दर्शाए क्रम में टाइप करें : प+्+र+ज+ा

1. क्रम प्रधान प्राण ग्रहण स्रोत प्रचार प्रसार
2. ट्रक ट्राम राष्ट्र ड्रम ड्राफ्ट

कर्म, धर्म आदि शब्दों को टाइप करने के लिए आगे दर्शाए क्रम में टाइप करें : क+र+्+म

3. फर्क तर्क गर्त अंतर्गत गर्व पर्व दर्पण
4. ज्ञान अज्ञान आज्ञा अज्ञात प्राज्ञ जिज्ञासु
5. सत्र त्रास नेत्र चरित्र त्रिलोक त्रिकोण त्रुटि
6. कक्ष चक्षु भिक्षा अक्षर क्षमा अक्षत
7. श्री श्राफ श्रीफल श्रीमान श्रीमती आश्रम श्रमिक श्राप
8. साधारणत: स्वत: अत: अन्तत: पुन: नि:संदेह
9. ऋषि ऋतु ऋतिक ऋण उऋण ऋग्वेद
10. ऑन ऑफीसर ऑल ऑड ऑक ऑर्डर

संयुक्ताक्षरों में 'ि' की मात्रा का प्रयोग

निर्देश : जैसा कि आप जानते ही हैं कि इनस्क्रिप्ट कुँजीपटल में 'ि' की मात्रा अक्षर टाइप करने के बाद लगाई जाती है। इसी प्रकार संयुक्ताक्षरों में भी 'ि' मात्रा को लगाने के लिए पहले पूरा संयुक्ताक्षर टाइप किया जाता है, उसके बाद ही इस मात्रा को लगाया जाता है :

अवन्ति = अ + व + न + ् + त + ि　　　**निश्चित = न + ि + श + ् + च + ि + त**